IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, October 2025
Impact Factor: 7.67

वर्तमान भारतीय समाज पर कबीर की रचनाओं का प्रभाव

ज्योति[1] and डॉ. राजेश कुमार[2]
[1]शोधार्थी, हिन्दी विभाग
[2]प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
एन.आई.आई.एल.एम विश्वविद्यालय, कैथल (हरियाणा)

सारांश

यह शोध पत्र कबीरदास की रचनाओं के वर्तमान भारतीय समाज पर पड़ रहे प्रभावों का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। १५वीं शताब्दी के इस संत-कवि ने जिन सामाजिक, धार्मिक और दार्शनिक विषयों को छुआ था, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। इस पत्र का मुख्य उद्देश्य यह पड़ताल करना है कि किस प्रकार कबीर का सूफी-साधना से ओत-प्रोत दर्शन, उनकी अवधारणाएँ जैसे 'निर्गुण ब्रह्म', 'साधु संगत', 'अंतर्यात्रा' और सामाजिक एकता का संदेश आधुनिक भारत में साम्प्रदायिक सद्भाव, व्यक्तिगत आध्यात्मिकता, सामाजिक न्याय के आंदोलनों और लोकप्रिय संस्कृति में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि कबीर की रचनाएँ केवल साहित्यिक विरासत नहीं हैं, बल्कि एक सक्रिय सामाजिक शक्ति के रूप में कार्य करती हुई भारतीय लोकतंत्र के धर्मनिरपेक्ष और प्रगतिशील मूल्यों को मजबूती प्रदान कर रही हैं।

मुख्य संकेतक: वर्तमान भारतीय समाज, साम्प्रदायिक सद्भाव, निर्गुण ब्रह्म, सामाजिक न्याय।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

ISSN 2581-9429 IJARSCT